कान्हा जी मोरे नैनन में बस जाओ

कान्हा जी मोरे नैनन में बस जाओ:

कान्हा जी मोरे नैनन में बस जाओ,
जगत मोहें कान्हामय लागे,
ऐसी ज्योति जगाओ,
कान्हा जी मोरे नैनन में बस जाओ ॥

मोर मुकुट धरि अधर मुरलिया,
मधुर मधुर मुसकाओ,
कान्हा जी मोरे नैनन में बस जाओ ॥

पीताम्बर धरि गल बनमाला,
अंखियन बाण चलाओ,
कान्हा जी मोरे नैनन में बस जाओ ॥

लागी प्रीत कबहुँ नहीं छूटे,
भव से पार लगाओ,
कान्हा जी मोरे नैनन में बस जाओ ॥

आभार: ज्योति नारायण पाठक

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4360/title/kanha-ji-more-nainan-me-bas-jaao

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |